वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-156 सागवाड़ा, मंगलवार,8 फरवरी, 2022 अवधिः हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

शहर के घाटी तालाब का अस्तित्व खतरे में

भूमाफिया तालाब में भराव कर काट रहे प्लाट, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

डूंगरपुर। जिला मुख्यालय पर शहर से मांडवा गाँव के पास ऐतिहासिक घाटी तालाब का अस्तित्व खतरे में है। भूमाफिया द्वारा तालाब में मिट्टी का भराव करते हुए प्लाट काटने का काम किया जा रहा है। मांडवा पंचायत के ग्रामीणों द्वारा विरोध के बावजूद बेख़ौफ़ भूमाफिया बाज नहीं आ रहे है।

इधर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। डूंगरपुर शहर व मांडवा पंचायत की सीमा पर घाटी तालाब स्थित है। बारिश के दिनों में तालाब लबालब हो जाता है जिसका फायदा आसपास के ग्रामीणों को मिलता है। लेकिन कुछ दिनों से भू माफिया सक्रिय हैं । इधर भूमाफिया के चलते तालाब का अस्तित्व खतरे में है। भूमाफिया द्वारा तालाब में पास में ही स्थित पहाड़ियों

व तलहटी में खुदाई कर मलबा निकाला जा रहा है और उसी मलबे को ट्रैक्टरों के जरिए घाटी तालाब में उड़ेला जा रहा है। इसके बाद जेसीबी के जरिए मलबे से तालाब को पाटकर समतल किया जा रहा है। इसी समतलीकरण और खाली पड़े तालाब के कैचमेंट में भू माफियाओं ने रातों-रात भूखंड बनाकर उनका सीमांकन करने के लिए लाइनिंग भी कर दी है। जब स्थानीय लोग तालाब तक पहुंचे तो तालाब के अंदर पानी के बीच में जहां जहां खाली जगह वहां लाइनिंग देखकर सकते में आ गए।

ग्रामीणों ने बैठक कर प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

इधर तालाब को पाटने की घटना से मांडवा पंचायत के लोगों में खासा आक्रोश है और तालाब को बचाने के लिए सभी एकजुट हो गया है। ग्रामीणों ने तालाब के किनारे एक बैठक की और तालाब के संरक्षण को लेकर चर्चा की गई। वही जिला प्रशासन से मामले की कार्रवाई की मांग की है। वही कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आन्दोलन की चेतावनी दी है। हालांकि इस मामले में ग्राम पंचायत और राजस्व विभाग सहित नगर परिषद की चुप्पी पर सवाल खड़े कर रही है। बरहाल बड़ा सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट सहित कई न्यायालयों के पारित आदेशों के बाद भी डूंगरपुर शहर में तालाबों का अस्तित्व खतरे में बना हुआ है घाटी तालाब के साथ पातेला तालाब को भी पाटकर उनमें भूखंड बना दिए गए हैं। खेर अब देखने वाली बात होगी की जिला प्रशासन की ओर से पुरे मामले की क्या कार्रवाई की जाती है।

बस स्टैंड पर खड़ी विवाहिता को पीहर छोड़ने का झांसा देकर किया दुष्कर्म

वायरल फोटो पति के पास पंहुचे, निठाउवा थाने में मामला दर्ज

आसपुर। डूंगरपुर जिले के निठाउवा थाना क्षेत्र में एक विवाहिता से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना एक महीने पुरानी है। बस स्टैंड पर खड़ी विवाहिता को पीहर छोड़ने का झांसा देकर आरोपी काका ससुर ने होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। विवाहिता के वायरल फोटो गुजरात में मजदूरी कर रहे पति तक पंहुचे तब जाकर निठाउवा थाने में मामला दर्ज करवाया है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। डूंगरपुर जिले के निठाउवा थानाधिकारी अब्दुल रज्जाक ने बताया कि विवाहिता ने अपने पति के साथ थाने आकर केस दर्ज करवाया है।

विवाहिता (25) ने बताया है कि 1 जनवरी 2022 को पीहर जाने के लिए वह बस स्टैंड पर खड़ी थी। रिश्ते में काका ससुर कालिया (21) पुत्र थावरा मीणा निवासी रेटूआ बाइक लेकर आया। उसने पीहर जाने की बात बताई तो काका ससुर उसे छोड़ने की बात कहते हुए बाइक पर बैठा दिया। इसके बाद विवाहिता को जबरन साबला के एक होटल पर ले गया और डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसके फ़ोटो भी लिए। किसी को बताने पर फ़ोटो वायरल करने की धमकी दी।

थानाधिकारी ने बताया की विवाहिता का पति गुजरात में मजदूरी के लिए गया था। डर की वजह से उसने दुष्कर्म की घटना किसी से नहीं कही। आरोपी उसे डरा-धमकाकर बुलाने लगा और नहीं जाने पर फोटो सोश्यल मीडिया ग्रुप पर वायरल कर दिए। वायरल फोटो देख गुजरात मजदूरी कर रहा पति घर आ गया और पत्नी से घटना के बारे में पूछा।

जिस पर पीडिता ने पूरी आप बीती बताइ। इसके बाद पति और पत्नी दोनों निठाउवा थाने जाकर आरोपी कालिया मीणा के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज करवाया है। मामले की जांच आसपुर थानाधिकारी सवाईसिंह को सौंपी है। आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानदेय नहीं मिलने से परेशान कोविड स्वास्थ्य सहायको ने किया कार्य का बहिष्कार, कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, एसडीएम को दिया कलेक्टर के नाम ज्ञापन

डूंगरपुर। जिले में कोविड स्वास्थ्य सहायको को पिछले 6 माह से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। इधर लम्बे समय से भुगतान नहीं मिलने से परेशान कोविड स्वास्थ्य सहायको ने अपने कार्य का बहिष्कार कर दिया है। वही मानदेय के भुगतान को लेकर कोविड स्वास्थ्य सहायको ने आज कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया और डूंगरपुर एसडीएम को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौपा। राजस्थान स्वास्थ्य सहायक एसोसिएशन के पदाधिकारी मयंक जोशी ने बताया कि अगस्त 2021 में सरकार ने जिले मे 669 कोविड सहायकों की संविदा पर भर्ती की थी। लेकिन पिछले 6 माह से कोविड स्वास्थ्य सहायको को उनका मानदेह का भुगतान नहीं दिया जा रहा है। अभी तक दोवडा व गलियाकोट पंचायत समिति के कोविड स्वास्थ्य सहायको को 2 से 3 माह का ही मानदेय मिला है जबकि शेष 8 पंचायत समितियों के कोविड स्वास्थ्य सहायको को एक भी माह का मानदेय नहीं मिला है। पंचाल बताया कि मानदेय भुगतान की मांग को लेकर कोविड सहायक लगातार प्रदर्शन कर रहे है लेकिन उनकी मांग सुनी नही जा रही है। उन्होंने

कहा कि कोविड स्वस्थ्य सहायक अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर सर्वे, स्क्रीनिंग कार्य, घर-घर दवा वितरण, कोविड टीकाकरण और सेम्पलिंग सहित अन्य कार्य पूरी निष्ठां और ईमानदारी से कर रहे है लेकिन चिकित्प्रसा विभाग, शासन और के मानदेय भुगतान के मामले में टालमटोल रवैये से कोविड स्वस्थ्य सहायको का मनोबल गिर रहा है। कोविड सहायकों ने बताया कि मानदेय के अभाव में वे ना तो घर चला पा रहे है ओर ना ही फील्ड में काम करने के लिए उनके पैसे है ऐसे में उधार पर कामकाज कर रहे है।

मयंक जोशी ने बताया कि कोविड स्वास्थ्य सहायको ने आज से कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है और खाते में राशी आने तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

इधर प्रदर्शन के बाद कोविड स्वास्थ्य सहायको ने डूंगरपुर एसडीएम को डूंगरपुर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा और जल्द मानदेय दिलाने की मांग की है।

राजस्थान विधानसभा बजट सत्र कल से

जयपुर। राज्य विधानसभा के नौ फरवरी से शुरु होने वाले बजट सत्र को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। गहलोत सरकार इस सत्र में एक दर्जन से ज्यादा विधेयक लेकर आएगी। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बिल नकल विरोधी कानून से जुड़ा होगा। इसमें सरकार नकल रोकने के लिए कानून में कड़े प्रावधान किए जाएंगे।बजट सत्र की तैयारियों को लेकर आज 11 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक होने जा रही है। बैठक विधानसभा की ना पक्ष लॉबी में होगी बैठक में सत्ता पक्ष को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी।

खेत में झाड़ियो में मिला घायल जरख, वन विभाग ने जरख का रेस्क्यू कर डूंगरपुर पशु चिकित्सालय में करवाया भर्ती

आसपुर। डूंगरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र व दोवडा फोरेस्ट रेंज के मानपुर घाटी गाँव में खेत में झाड़ियो में जरख दिखाई देने से हडकम्प मच गया। गड्ढे में गिर जाने से जरख घायल हो गया था जिसको देखने के लिए मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई।

सुचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम व सदर थाना पुलिस ने जरख को रेस्क्यू कर डूंगरपुर पशु चिकित्सालय में भर्ती करवाया है। वन विभाग के सहायक वनपाल अशोक भोई ने बताया की दोवडा फोरेस्ट रेंज के मानपुर घाटी गाँव में किसान खेतो में काम कर रहे थे। इस दौरान किसानो ने दो खेतो के बीच झाड़ियो में एक गड्ढे के अन्दर जरख को देखा। इधर जरख को देखकर किसान घबरा गए और वहा से दूर हट गए। इसके बाद किसानो ने मामले की सुचना सदर थाना पुलिस व वन विभाग को दी। सुचना पर सदर थानाधिकारी हजारीलाल मीणा पुलिस विभाग के जाब्ते के साथ तो वही वन विभाग के सहायक वनपाल अशोक भोई अपनी टीम के साथ मौके मानपुर घाटी गाँव पहुंचे। इधर जरख को देखने के लिए मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई थी। जिस पर पुलिस व वन विभाग की टीम ने लोगो को जरख से दूर किया। वही जरख के पास जाकर देखा तो पता चला की जरख घायल अवस्था में था और खड़ा नहीं हो पा रहा था। वन विभाग की टीम ने गड्ढे में गिर जाने से जरख के घायल होने का अंदेशा लगाया। वही इसके बाद वन विभाग की टीम व सदर थाना पुलिस की टीम ने कड़ी मशक्त के बाद घायल जरख को रेस्क्यू किया। इधर घायल जरख को रेस्क्यू करने के बाद वन विभाग की टीम ने विभाग के वाहन में सुरक्षित रखा और उसे डूंगरपुर जिला पशु चिकित्सालय लेकर आई। जहा पर घायल जरख को भर्ती करवाया गया और पशु चिकित्सको ने उसका इलाज शुरू कर दिया है।

रीट भर्ती परीक्षा पेपरलीक मामले की सीबीआई जांच की मांग व सतीश पुनिया पर हमले के विरोध में एससी-एसटी भाजपा मोर्चा के कार्यकर्ताओ का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

डूंगरपुर । जिले के एससी-एसटी भाजपा मोर्चा ने रीट भर्ती परीक्षा पेपरलीक मामले की जांच सीबीआई से करवाने व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओ द्वारा हमले के विरोध में राज्य सरकार के खिलाफ आज कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस मौके पर एससी एसटी भाजपा मोर्चा ने डूंगरपुर एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा। डूंगरपुर जिले के एससी-एसटी भाजपा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कांतिलाल डामोर के नेतृत्व में मोर्चा के कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए। इस दौरान एससी-एसटी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस मौके पर मोर्चा के जिला अध्यक्ष कांतिलाल डामोर ने कहा की राज्य सरकार द्वारा रीट भर्ती परीक्षा 2021 में वर्तमान कांग्रेस सरकार के प्रभावशाली नेताओं, बोर्ड अध्यक्ष, सचिव व कार्मिको और दलालों की मिलीभगत से रीट भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हुआ। जिसमे करोडो की दलाली होना उजागर हुआ है। इस मामले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया व उनके निर्देश पर भाजपा द्वारा प्रदेशभर में जगह-जगह प्रदर्शन किये जा रहे है। वही सरकार से मामले की जांच एसओजी से न करवाकर सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। वही उन्होंने बताया की भाजपा द्वारा लाखो बेरोजगार युवाओं की हितो को लेकर मांग उठाई जा रही है जिससे कांग्रेस पार्टी व उनके कार्यकर्ता बौखला गए है। और उसी बौखलाहट की वजह से अब कांग्रेसी कार्यकर्ता अपनी मर्यादा भूल गए है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओ ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया पर हमला किया। कांग्रेसी कार्यकर्ताओ द्वारा किये गए इस कृत्य का भाजपा एससी-एसटी मोर्चा निंदा करता है। इधर प्रदर्शन के बाद भाजपा एससी-एसटी मोर्चा ने डूंगरपुर एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में भाजपा एससी-एसटी मोर्चा ने रीट भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से करवाने व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया पर हुए हमले के मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

जयपुर में मिले 1140 नए कोरोना पॉजिटिव

जयपुर। जिले में कोरोना संक्रमण के आंकड़े आज फिर चिंताजनक तौर पर बढ़े हैं। जबकि एक दिन पहले सोमवार को सिर्फ 403 नए मरीज मिलने से कोरोना संक्रमण और भी कम होने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन एक दिन बाद ही नए मामलों में बड़ी बढ़ोतरी होने से फिर उम्मीदों पर पानी फिर गया है। आज जिले में 1140 नए कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। वहीं जिले के ऐसे इलाकों की संख्या भी बढ़ी है, जहां पर संक्रमित मिले हैं।

सतीश पुनिया के जूते वाले बयान पर गरमाई सियासत, बयान के विरोध में कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, भाजपा अध्यक्ष पुनिया का फूंका पुतला

डूँगरपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया द्वारा कांग्रेस पार्टी के लिए अशोभनीय शब्दों एवं भाषा का प्रयोग किए जाने के विरोध में डूंगरपुर जिला कांग्रेस कमेटी की और से कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेसियों ने सतीश पुनिया का पुतला फूंकते हुए जमकर नारेबाजी की और पुनिया के इस बयान को उनकी गन्दी मानसिकता बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया द्वारा कोटा दौरे के दौरान कांग्रेस को बीजेपी के जूते के सामान नहीं होने के बयान पर सियासत गरमा गई है। पुनिया के इस बयान पर कांग्रेस पार्टी में आक्रोश है। कांग्रेस की ओर से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया के खिलाफ प्रदर्शन किये जा रहे है। इसी के तहत डूंगरपुर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भी

डूंगरपुर में प्रदर्शन किया गया। पूर्व राज्यमंत्री असरार अहमद, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रियकांत पंड्या और उप जिलाप्रमुख सुरता परमार के नेतृत्व में आज कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए। इस दौरान पुनिया के जूते वाले बयान पर आक्रोश जताते हुए पुनिया के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस मौके पर कांग्रेसियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया का पुतला फूंकते हुए जमकर नारेबाजी भी की। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री असरार अहमद ने कहा कि मर्यादा और अनुशासन का पाठ पढ़ाने वाली भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश मुखिया अगर ऐसी भाषा और शब्दों का उपयोग कर रहा है तो इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भाजपा अमर्यादित पार्टी है। असरार अहमद ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है लेकिन राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के लिए सतीश पुनिया ने जो शब्द और भाषा का उपयोग किया वो उनकी गन्दी मानसिकता को दर्शाता है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया के इस बयान का विरोध व निंदा करती है।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने सीमलवाडा क्षेत्र का किया दौरा

मनरेगा कार्य, उपखंड कार्यालय, सीएचसी, पशु चिकित्सालय पीठ का किया निरीक्षण, पीठ आवासीय स्कूल में बालिकाओं की ली क्लास

डूंगरपुर। जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने मंगलवार को उपखंड क्षेत्र सीमलवाडा का दौरा कर विभिन्न कार्यालयों एवं मनरेगा कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने सीमलवाडा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में मनरेगा कार्य, सीमलवाडा एसडीएम ऑफिस, सीमलवाडा सीएचसी का निरीक्षण कर व्यवस्था की जानकारी ली पीठ कस्तूरबा बालिका आवासीय स्कूल में बालिकाओं की क्लास लेते हुए छात्राओ का मार्ग दर्शन किया।

निरीक्षण डोरी के दौरान जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने सबसे पहले ग्राम पंचायत उटिया व वेंजा में महात्मा गांधी नरेगा कार्यो का निरीक्षण किया। उन्होंने मनरेगा कार्यस्थल पर मस्टरोल का सही संधारण करने, समय पर हाजिरी करने, समूह में कार्य करवाने व कार्यों में गुणवत्ता युक्त सामग्री उपयोग करने के निर्देश दिए है। इसके बाद जिला कलक्टर सीमलवाडा एसडीएम ऑफिस पहुंची जहां पर उन्होंने कार्यालय के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और दस्तावेज संधारण, संचालित योजनाओं

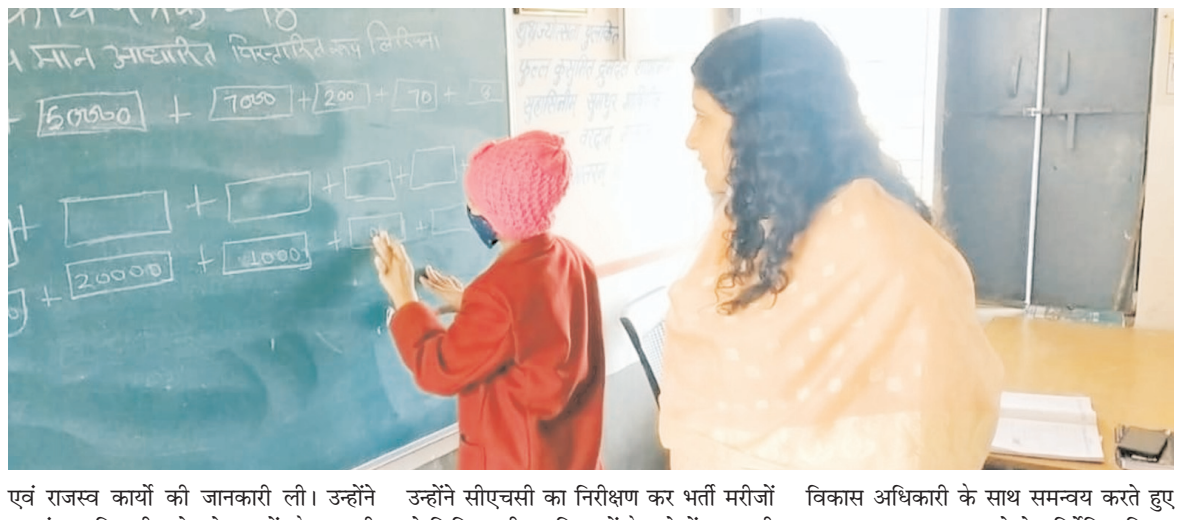

एवं राजस्व कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने उपखंड अधिकारी को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए है।

साथ ही बैठक लेते हुए राजस्व से जुड़े कार्यो व क्षेत्र में चल रहे कार्यो की प्रगति का फीडबेक लिया। इसके पश्चात जिला कलक्टर चौधरी सीमलवाडा सीएचसी पहुंची जहां पर उन्होंने सीएचसी का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से चिकित्सकीय सुविधाओं के बारे में जानकारी ली द्य उन्होंने चिकित्सा अधिकारी से उपलब्ध दवाइयों की भी जानकारी ली तथा जो दवाइयां नहीं है, उन्हें मंगवाने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही चिरंजीवी योजना के लिए लगाए जा रहे शिविरों का संबंधित क्षेत्र में सात दिन पूर्व विकास अधिकारी के साथ समन्वय करते हुए व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया, जिससे लोगो को शिविरों का पूर्ण लाभ मिल सकें।

इस दौरान सीएचसी परिसर में साफ-सफाई मिलने पर उन्होंने चिकित्सालय प्रशासन की सराहना भी की।पीठ कस्तुरबा बालिका आवसीय विद्यालय में ली छात्राओं की क्लास-

सीमलवाडा क्षेत्र के दौरे के दौरान कलक्टर शुभम चौधरी पीठ कस्बे में भी पहुंची जहां पर उन्होंने कस्तुरबा बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा सातवीं व आठवीं की बालिकाओं को स्वयं अध्ययन करवाया तथा उन बच्चों से अंग्रेजी में प्रश्न भी पूछे।

इस पर बालिकाओं ने भी अंग्रेजी में ही उत्तर दिए, जिस पर जिला कलक्टर ने उनकी सराहना की और प्रोत्साहित किया। उन्होंने आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के रहने, कक्षा कक्षा, रसोई, शौचालय आदि का निरीक्षण करते हुए साफ सफाई एवं खाद्य सामग्री मिलने वाले भोजन व अल्पाहार आदि सभी की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान खाद्य सामग्री पर एक्सपायरी डेट नजदीक होने को देखकर जिला कलक्टर ने नाराजगी जताई और खाद्य सामग्री खरीदते समय एक्सपायरी डेट का विशेष ध्यान रखते हुए खरीददारी के निर्देश दिये है। साथ ही इस प्रकार की अनिमियतता पुनः मिलने पर नोटिस दिए जाने की चेतावनी भी दी।

बीमार बछड़े की ली जानकारीः

इसके पश्चात पशु चिकित्सालय पीठ में पहुंचने पर उन्होंने चिकित्सा अधिकारी से क्षेत्र में पशुओं की संख्या, चिकित्सालय से मिलने वाले उपचार, उपलब्ध दवाइयां, राज्य सरकार की पशु कल्याण संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन आदि के बारें में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने उस वक्त चिकित्सालय में चिकित्सा के लिए आये बछड़े को दिखा तथा चिकित्सक से पूछा कि इसे क्या बीमारी है, साथ ही इसे क्या दवाई दी जा रही है, इसके बारे में पूरी जानकारी ली और समय पर सही उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशु चिकित्सक से सरकार के द्वारा पशुओं और पशुपालकों के लिए संचालित की जा रही योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए अधिकाधिक पशुओं और पशुपालकों को लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर उपखण्डअधिकारी, सीमलवाड़ा, तहसीलदार, तहसीलदार सीमलवाड़ा, तहसीलदार झौंथरी विकास अधिकारी, सीमलवाड़ा, विकास अधिकारी झौंथरी, एवं समस्त विभागीय अधिकारी मौजूद रहें।